ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक:17.05.2024

नैनीताल (उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान–जारी करने का दिन: 2024-05-17(अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	18/05/2024	19/05/2024	20/05/2024	21/05/2024	22/05/2024
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	7.0
अधिकतम तापमान (से.)	27.0	27.0	27.0	28.0	28.0
न्यूनतम तापमान (से.)	16.0	16.0	16.0	16.0	16.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	65	65	65	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	10	10	10	10
पवन दिशा (डिग्री)	270	270	270	130	130
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	2	1	1	2

सम सारांश/ चेतावनी:

आगामी सप्ताह में 21 मई को 7 मिमी की बहुत हल्की वर्षा और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 27.0-28.0oC और 16.0oC के बीच रहने की भविष्यवाणी की गई है। 8-10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने का अनुमान है। 21 मई को नैनीताल जिले में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि के दौरान शुष्क मौसम बने रहने की संभावना है। 18, 19 और 20 मई को नैनीताल के मैदानी इलाकों में कुछ स्थानों पर लू की स्थिति उत्पन्न होने के संबंध में पीली चेतावनी होने की संभावना है, जबकि 21 मई को अलग-अलग स्थानों पर बिजली गिरने के साथ आंधी की चेतावनी होने की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान मौसम विज्ञान और बिजली के आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए क्रमशः गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (iOS उपयोगकर्ता) से उपलब्ध "मेघदूत" और "दामिनी" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। एनडीवीआई अधिकांश फसलों की कटाई और ताजा बुआई के कारण क्षेत्र में मध्यम और नंगी मिट्टी की स्थिति को दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 17.05.2024 से 23.05.2024 के दौरान भारी कमी वाली वर्षा और सामान्य अधिकतम-न्यूनतम तापमान प्रवृत्ति को दर्शाता है। शुष्क मौसम और लू की स्थिति की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए फसलों को आवश्यकता पड़ने पर बार-बार सिंचाई करनी चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार गर्मी की लहर और तूफान की गतिविधियों की भविष्यवाणी की गई है, इसलिए फसल में लगातार सिंचाई की जानी चाहिए और अनावश्यक धूप में जाने से बचना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
धान	बुआई	मध्यम ऊंची पहाड़ियों में सिंचित परिस्थितियों में नर्सरी तैयार करनी चाहिए और अधिक उपज देने वाली किस्मों के उपचारित बीजों का उपयोग करना चाहिए। चेतकी धान में नियमित निराई-गुड़ाई एवं सिंचाई करनी चाहिए।
अरहर	बुआई	कम अवधि वाली किस्मों को बोना चाहिए और अच्छी तरह से उपचारित करना चाहिए, अधिक उपज देने वाली किस्मों का उपयोग करना चाहिए।
मक्का	बुआई	मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में फसल की बुआई माह के दूसरे पखवाड़े में की जा सकती है।
झंगोरा	बुआई	ऊंची पहाड़ियों में पारंपरिक किस्मों या अधिक उपज देने वाली किस्मों को बोना चाहिए।
मंडुआ	बुआई	ऊंची पहाड़ियों में इन फसलों को दूसरे पखवाड़े में बोया जा सकता है। अधिक उपज देने वाले एवं अच्छी तरह से उपचारित बीजों का उपयोग करना चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज़	परिपक्वता	यदि प्याज की फसल तैयार हो गई है और पत्तियां सतह पर गिर रही हैं तो सिंचाई रोक देनी चाहिए और आगामी 15-20 दिनों में खुदाई कर लेनी चाहिए ।
टमाटर	वानस्पतिक	टमाटर की फसल में विषाणुजनित रोगों के नियंत्रण के लिए संक्रमित पौधों को हटा कर नष्ट कर दें (जब सिकुड़ी हुई धब्बेदार पत्तियाँ दिखाई दें), इन फसलों में रस चूसने वाले कीट के नियंत्रण के लिए सर्वंगी कीटनाशक का छिड़काव करना चाहिए। फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए सलाह दी जाती है कि मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए।
मिर्च	वानस्पतिक	मिर्च की फसल में विषाणुजनित रोगों के नियंत्रण के लिए संक्रमित पौधों (संकुचित पाइबाल्ड पत्तियां) को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। इन फसलों में रस चूसने वाले कीट के नियंत्रण के लिए सर्वांगी कीटनाशक का छिड़काव करना चाहिए। फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए सलाह दी जाती है कि मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

बैंगन/शिमला मिर्च	वानस्पतिक	एक माह पुरानी रोपाई वाली फसल में यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
लहसुन	परिपक्वता	लहसुन की पकी हुई फसल में सिंचाई रोक देनी चाहिए तथा कन्दों की कटाई कर उन्हें छाया में सुखा लेना चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	विदेशी गायों की उत्पादकता बनाए रखने और उन्हें बीमारियों से बचाने के लिए पंखे, कूलर या नवीनतम शीतलन उपकरण जैसे शीतलन उपकरणों का उपयोग करके पशु शेड का तापमान बनाए रखा जाना चाहिए। विदेशी गायें अधिक गर्मी सहन करने में असमर्थ होती हैं, जिसके कारण उनकी भोजन ग्रहण करने की क्षमता कम हो जाती है, जिसका असर उनके उत्पादन पर पड़ता है। अत: विदेशी गायों के उत्पादन को बनाए रखने और बीमारियों से बचाव के लिए पशु शेड का तापमान पंखे, कूलर या नवीनतम शीतलन उपकरणों जैसे शीतलन उपकरणों का उपयोग करके बनाए रखा जाना चाहिए।
भैंस	गर्मी के मौसम में पशु शेड के पास की नालियों में समय-समय पर मेलाथियान या अन्य कीटनाशक का छिड़काव करना चाहिए। पशुओं को पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए। पीने के बर्तनों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी देना चाहिए। यदि दुधारू पशुओं में मास्टिटिस के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इसका इलाज कराएं।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	रबी फसलों की कटाई के बाद इस माह में खली खेत से 10-15 अलग-अलग स्थानों से मिट्टी का नमूना लेना चाहिए। मिट्टी का नमूना 20 सेमी की गहराई तक लेना चाहिए।